परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय-३, रावतभाटा

प्रथम आवधिक प्रश्न-पत्र-२०१८ -१९

कक्षा- ग्यारहवीं **विषय- हिन्दी** **पूर्णांक- ४०** **समय – १$\frac{१}{२}$ घंटे**

प्रश्न.1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

विद्यार्थी जीवन को मानव जीवन की रीड की हड्डी कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। विद्यार्थी काल में बालक में जो संस्कार पड़ जाते हैं, जीवन भर वही संस्कार अमिट रहतें हैं। इसीलिए यही काल आधारशिला कहा गया है। यदि यह नीवं दृढ़ बन जाती है तो जीवन भी सुदृढ़ और सुखी बन जाता है। यदि मन लगाकर अध्ययन कर लेता है तो उसे ज्ञान मिलता है, उसका मानसिक विकास होता है। जिस वृक्ष को प्रारम्भ में अच्छी सिचाई और खाद मिल जाती है, वह पुष्पित एवं पल्लवित होकर संसार को सौरभ देने लगता है। इसी प्रकार विद्यार्थी काल में जो बालक श्रम, अनुशासन, समय एवं नियमन के ढाँचे में ढल जाता है, वह आदर्श विद्यार्थी बनकर सभ्य नागरिक बन जाता है। सभ्य नागरिक के लिए जिन-जिन गुणों की आवश्यकता है, उन गुणों के लिए विद्यार्थी काल ही तो सुंदर पाठशाला है । यहाँ पर अपने साथियों के बीच रह कर वे सभी गुण आ जाने आवश्यक है, जिनकी कि विद्यार्थी को अपने जीवन में आवश्यकता होती है।

१. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

२. जिस वृक्ष को प्रारम्भ में खाद मिल जाती है वह कैसा होता है? 1

३. मानव जीवन की रीड की हड्डी विद्यार्थी जीवन को क्यों कहा जाता है? 2

४. आदर्श विद्यार्थी से क्या तात्पर्य है? 2

५. विद्यार्थी के मानसिक विकास के लिए आवश्यक है? 2

६. सभ्य नागरिक से आप क्या समझते हैं? 2

प्रश्न.2 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

हम दीवानों की क्या हस्ती

है आज यहाँ कल वहां चले।

मस्ती का आलम साथ चला

हम धूल उड़ाते जहाँ चले।

आए बनकर उल्लास अभी

आँसू बनकर बह चले अभी।

सब कहते ही रह गये अरे

तुम कैसे आए कहाँ चले?

किस ओर चले? यह मत पूंछो

चलना है बस इसीलिए चले।

जग से उसका कुछ लिए चले

जग को अपना कुछ दिए चले।

दो बात कही दो बात सुनी

कुछ हँसे और कुछ फिर रोये

छककर सुख दुःख के घूंटों को

हम एक भाव से पिए चले।

१. कविता में किसके आलम की चर्चा की गई है? 2

२. हमारे लिए सुख दुःख समान है- यह भाव किस पंक्ति में व्यक्त हुआ है? 1

३. इस कविता में कैसे स्वभाव वाले व्यक्तियों के बारें में बताया गया है? 2

४. कविता में से 'विषाद' का विलोम शब्द चुनकर लिखिए। 1

प्रश्न-3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 3 x 8 = 24

१. 'नमक के दरोगा' कहानी में भ्रष्टाचार के प्रति समाज की सोच किस प्रकार है? कहानी में आए पात्रों के आधार पर स्पष्ट कीजिए|

२. न्याय और नीति सब लक्ष्मी के खिलौने हैं, इन्हें वह जैसे चाहती हैं, नचाती हैं|' कहानी के आधार पर अपने विचार लिखिए|

३. नमक के दरोगा कहानी में न्याय व्यवस्था पर गहरा व्यंग्य किया है| कैसे? समझाइए

४. मियाँ नसीरुद्दीन को नानबाइयों का मसीहा क्यों कहा जाता हैं?

५. 'तालीम की तालीम भी बड़ी चीज होती है' आशय स्पष्ट कीजिए|

६. कबीर की दृष्टी में आत्मा-परमात्मा एक ही माना है| इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं?

७. 'कबीर' पाठ में आए पदों के आधार पर बताइए कि कबीर भक्ति करने के लिए कौनसा मार्ग बताते हैं?

८. मीरा की भक्ति किस प्रकार की है? पाठ के आधार पर समझाइए |

प्रश्न-4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गये संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 10

क. स्वच्छ भारत- एक कदम स्वच्छता की ओर

- प्रस्तावना
- स्वच्छता का महत्व
- वर्तमान समय में स्वच्छता को लेकर भारत में स्थिति
- स्वच्छ भारत अभियान का आरम्भ एवं लक्ष्य
- उपसंहार

ख. सोशल नेटवर्किंग- वरदान या अभिशाप

- प्रस्तावना
- सोशल नेटवर्किंग के लाभ
- सोशल नेटवर्किंग से हानियाँ
- उचित उपयोग के लिए सुझाव
- उपसंहार

ग. छात्र जीवन में अनुशासन

- अनुशासन का अर्थ और महत्व
- अनुशासन की प्रथम पाठशाला परिवार
- व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन के लिए अनुशासन आवश्यक
- आदर्श, सभ्य मनुष्य बनने के लिए अनुशासन आवश्यक

घ. देशभक्ति

- देशभक्ति से तात्पर्य
- विभिन्नता में एकता के लिए देशभक्ति आवश्यक
- देशभक्ति में बाधक तत्व
- देशभक्ति बनाए रखने के लिए सुझाव